राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 53 | जौनपुर सोमवार, 06 अक्टूबर 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

धोखाधड़ी मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

बेंगलुरु, (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेंगलुरु में मेसर्स ओजोन अर्बाना इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड और अन्य के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत 423.38 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियां कुर्क की हैं। ईडी की यह कार्रवाई कंपनी और उसके प्रमोटरों के खिलाफ बेंगलुरु के विभिन्न पुलिस थानों में धोखाधड़ी (आईपीसी की धारा 419, 420, और 120बी) के तहत दर्ज कई एफआईआर पर आधारित है। इसके अतिरिक्त सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर सीबीआई ईओ–द्ध नई दिल्ली ने भी एक एफआईआर दर्ज की है। कंपनी पर मुख्य आरोप यह है कि उसने ग्राहकों को गुमराह किया है और समय पर परियोजना निर्माण पूरा नहीं किया। इसके चलते उन्हें फ्लैटों का कब्जा नहीं दिया गया है। आरोप है कि कंपनी ने ग्राहकों को फ्लैट का कब्जा मिलने तक निर्माण पूर्व ईएमआई का भुगतान करने का वादा किया, लेकिन पूरा करने में विफल रही है। बिल्डर ने न तो घर खरीदारों को आवासीय इकाइयां सौंपीं, न ही उनकी जमा राशि वापस की, बल्कि पूरी अग्रिम बुकिंग राशि और ऋण राशि का गबन कर लिया। ईडी की जांच में यह खुलासा हुआ कि ओजोन अर्बाना इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड ने मुख्य प्रमोटर एस वासुदेवन के साथ मिलकर घर खरीदारों को कुल 927.22 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की है। इस धन को बेईमानी से रोककर रखा गया और अन्य समूह संस्थाओं तथा संबद्ध व्यक्तियों, जिनमें स्वयं वासुदेवन और उनके परिवार के सदस्य शामिल हैं। ग्राहकों के हितों की रक्षा के लिए ईडी ने मेसर्स ओजोन अर्बाना इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड की अचल संपत्तियां, जिनमें एवेन्यू में 92 फ्लैट और एक्वा 2 में 13 फ्लैट की परियोजनाओं में बिना बिके स्टॉक और 4.5 एकड़ व्यावसायिक भूमि शामिल हैं।

पंजाब से राज्यसभा सीट के लिए आप ने फाइनल किया कैंडिडेट

चंडीगढ़, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने पंजाब से राज्यसभा की खाली सीट के लिए उद्योगपति राजिंदर गुप्ता को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। यह सीट संजय अरोड़ा के विधानसभा उपचुनाव लड़ने और मंत्री बनने के बाद खाली हुई थी। सूत्रों के अनुसार, राजिंदर गुप्ता सोमवार को पंजाब विधानसभा में नामांकन दाखिल कर सकते हैं और इस मौके पर मुख्यमंत्री भगवंत मान के भी मौजूद रहने की संभावना है। इस सीट के लिए पहले ओसवाल ग्रुप के कमल ओसवाल का नाम सबसे आगे चल रहा था, लेकिन आखिरी समय में पार्टी ने राजिंदर गुप्ता के नाम पर मुहर लगा दी। यह आम आदमी पार्टी की उस रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें वह उद्योग जगत के चेहरों को राज्यसभा में भेजकर राजनीतिक और औद्योगिक संतुलन साधने की कोशिश कर रही है। इससे पहले पार्टी संजीव अरोड़ा जैसे व्यवसायी को भी राज्यसभा भेज चुकी है। राजिंदर गुप्ता पंजाब के प्रमुख उद्योगपतियों में से एक हैं।

बारिश से प्रभावित किसानों को हर संभव मदद देगी मोदी सरकार : अमित शाह

मुंबई , (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महाराष्ट्र के बारिश से प्रभावित किसानों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। शाह ने यह बात डॉ. विठ्ठलराव विखे पाटिल कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्री की विस्तारित क्षमता के उद्घाटन के बाद किसानों की रैली को संबोधित करते हुए कही। इससे पहले महाराष्ट्र के एक दिवसीय दौरे पर आए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शिरडी स्थित साईंबाबा मंदिर में रविवार को पूजा–अर्चना की। अमित शाह के साथ राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एवं अजित पवार तथा अन्य लोग भी मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा, मैंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार के साथ विस्तृत बैठक की। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से मैंने उन्हें आश्वासन दिया है कि जैसे ही हमें विस्तृत रिपोर्ट मिलेगी,

प्रधानमंत्री मोदी महाराष्ट्र के किसानों की मदद में कोई देरी नहीं करेंगे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष की सहायता राशि में से 3,132 करोड़ रुपये जारी किए हैं, जिसमें अप्रैल 2025 में 1,631 करोड़ रुपये शामिल हैं। इसके अलावा, महाराष्ट्र सरकार ने भी 2,215 करोड़ रुपये की राहत राशि वितरित की है, जिससे 31 लाख से अधिक किसानों को लाभ मिला है। शाह ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की परेशानी कम करने के लिए कई कदम उठा रही है। उन्होंने बताया, महाराष्ट्र सरकार ने प्रत्येक बाढ़ प्रभावित परिवार को ध्10,000 नकद सहायता और 35 किलो खाद्यान्न दिया है। साथ ही कर्ज वसूली पर रोक, ई–केवाईसी नियमों में अस्थायी ढील, और राजस्व कर व स्कूल फीस में राहत दी गई है। शाह ने किसानों को भरोसा दिलाया कि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर किसानों को हर संभव सहायता और पुनर्वास प्रदान करेंगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस दौरान कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का चीनी सहकारी क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ा है। अमित शाह ने कहा कि अब चीनी मिलें ऑफ–सीजन में मल्टी–फीड एथेनॉल उत्पादन पर जोर दें। उन्होंने बताया कि एथेनॉल मिश्रण नीति से सहकारी कारखानों की आर्थिक स्थिति सुधरी है।

बिहार के 87 खिलाड़ियों को मिलेगी सरकारी नौकरी, नीतीश कुमार करेंगे सम्मान

पटना, (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को प्रदेश के 87 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का चयन पत्र और 812 खिलाड़ियों के बीच करीब 8 करोड़ रुपए की खेल सम्मान राशि का वितरण करेंगे। राज्य खेल अकादमी, राजगीर में रविवार को आयोजित एक समारोह में नीतीश कुमार इन खिलाड़ियों को चयन पत्र देंगे। बोली–बिहार में काटे 38 लाख मतदाताओं के नाम बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवींद्रण शंकरण ने शुक्रवार को इस संबंध में बताया कि सरकार की श्मेडल लाओ नौकरी पाओश योजना के तहत इस वर्ष राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले 87 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी का चयन पत्र दिया जा रहा है। इन 87 खिलाड़ियों में 39 महिला और 48 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। इन खिलाड़ियों को उनकी योग्यता के अनुसार क्लास वन से लेकर विभिन्न श्रेणियों में आवश्यकतानुसार विभिन्न विभागों में इनकी नियुक्ति के लिए चयन पत्र दिया जाएगा। बीएलओ को ट्रेनिंग से मोबाइल तक दिखेंगे कई बदलाव रू चुनाव आयुक्त नौकरी के लिए चयनित खिलाड़ियों में पुलिस अवर निरीक्षक के रूप में 4,200 रुपए पे ग्रेड में 10 खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जिसमें आठ महिला खिलाड़ी हैं। बाल कल्याण पदाधिकारी के 5,400 रुपए पे ग्रेड में एक खिलाड़ी का चयन हुआ है, जबकि 1,900–2,000 रुपए पे ग्रेड में निम्नवर्गीय लिपिक में 65 और कार्यालय परिचारी के रूप में 11 खिलाड़ियों का चयन हुआ है।

पीएम मोदी करेंगे नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का उद्घाटन

मुंबई, (एजेंसी)। भारत के बुनियादी ढांचे में एक नया अध्याय जोड़ते हुए, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जल्द जनता को समर्पित किया जाएगा। 8 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का उद्घाटन करेंगे। प्रियंका चतुर्वेदी नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट देश के सबसे आधुनिक और पर्यावरण– अनुकूल एयरपोर्ट्स में से एक होने की उम्मीद है। पीएम मोदी इस अवसर पर करीब दो घंटे नवी मुंबई में रहेंगे। सिडको के व्यवस्थापकीय संचालक विजय सिंघल ने बताया कि यह परियोजना भारत के प्रगतिशील विकास का प्रतीक बनेगी।

एयरपोर्ट का पहला रनवे तैयार हो चुका है, और दूसरा रनवे चार वर्षों में पूरा होगा। सभी टर्मिनल एकीकृत प्रणाली से जुड़े होंगे, जिससे यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। मेट्रो स्टेशन पर सीधा चेक–इन और श्वन–अप एंड टू–एंड बैगेज फैसिलिटीश ऐप के माध्यम से बैगेज प्रबंधन जैसी आधुनिक सेवाएं उपलब्ध होंगी। विखे पाटिल की प्रतिमा का अनावरण और सहकारिता परियोजना का उद्घाटन करेंगे पर्यावरण संरक्षण के लिए हरित ऊर्जा और जल संरक्षण पर जोर दिया गया है। टर्मिनल में डिजिटल आर्ट के जरिए भारतीय संस्कृति की झलक दिखेगी, जबकि संचालन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग होगा। कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए अटल सेतु से कोस्टल रोड तक नई सड़क बनाई जा रही है। मेट्रो लाइन 8 को जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है, जो नवी मुंबई और मुंबई एयरपोर्ट को जोड़ेगी। इसके अलावा, वॉटर टैक्सी सेवा भी शुरू होगी, जो यात्रियों के लिए अतिरिक्त सुविधा प्रदान करेगी। पीओके भारत को मिलना चाहिए रू आनंद दुबे इस परियोजना पर कुल 19,600 करोड़ रुपए का खर्च आया है, जिसमें सिडको ने भूमि विकास के लिए 3,500 करोड़ रुपए निवेश किए हैं। एयरपोर्ट में 350 विमानों की पार्किंग और दोनों रनवे के लिए अलग टैक्सी की सुविधा है।

सभी विभाग मिलकर साझा कार्ययोजना बनाएं और समयबद्ध ढंग से क्रियान्वयन करें : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि अलग–अलग विभागों द्वारा अलग–अलग कार्य करने से योजनाओं में अनावश्यक देरी होती है, इसलिए सभी विभागों को मिलकर साझा कार्ययोजना बनानी चाहिए तथा उसका समयबद्ध ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक योगी आदित्यनाथ ने नगर विकास विभाग की एक उच्चस्तरीय बैठक में शहरों के विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि विकास कार्य नियोजित और समन्वित तरीके से किए जाएं। मुख्यमंत्री ने बिना मानक और नगर

निकायों की अनुमति के विकसित की जा रहीं कॉलोनियों और बस्तियों पर प्रारंभिक स्तर पर ही रोक लगाने के सख्त निर्देश दिए। योगी ने नगर विकास से जुड़ी सभी योजनाओं की नियमित निगरानी पर बल देते हुए कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मलिन बस्तियों के विकास पर विशेष जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां साफ–सफाई, पेयजल आपूर्ति, जल निकासी, सड़क संपर्क, कूड़ा संग्रहण और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि जल निकासी व्यवस्था को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। प्रत्येक शहर में ऐसी नालियों की व्यवस्था होनी चाहिए, जिससे भारी वर्षा के बाद जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जल निकासी व्यवस्था में सुधार और नई व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी की जाए, ताकि नागरिकों को बारिश के समय किसी प्रकार की असुविधा न हो। 'स्मार्ट सिटी' के विकास को लेकर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि इसकी योजनाएं इस प्रकार तैयार की जाएं, जिससे शहर का समग्र विकास हो और साथ ही राजस्व वृद्धि भी सुनिश्चित की जा सके।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन राजनीतिक नेताओं के साथ पहली औपचारिक बैठक करेंगे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन 7 अक्टूबर को विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ अपनी पहली औपचारिक बातचीत की मेजबानी करने वाले हैं। यह राज्यसभा के सभापति के रूप में उनके शुरुआती कार्यकाल में एक महत्वपूर्ण क्षण होगा। सूत्रों ने पुष्टि की है कि यह बैठक संसद परिसर के एनेक्सी एक्सटेंशन भवन में शाम 4 बजे होगी। यह बैठक राधाकृष्णन के पदभार ग्रहण करने के एक महीने से भी कम समय बाद हो रही है, जिन्होंने 9 सितंबर को उपराष्ट्रपति चुनाव जीता था। यह पहल, खासकर संसद के शीतकालीन सत्र के निकट आने के साथ, दलीय सीमाओं से परे संवाद

और सहयोग को बढ़ावा देने के उनके इरादे का संकेत देती है।आमंत्रितों में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सदन के नेता जे. पी. नड्डा, विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू शामिल हैं। संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और एल. मुरुगन के भी शामिल होने की उम्मीद है, जो इस चर्चा में सरकार के पूर्ण प्रतिनिधित्व का संकेत है। सूत्रों का कहना है कि बैठक संसदीय मर्यादा को मजबूत करने, विधायी उत्पादकता बढ़ाने और प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों पर आम सहमति बनाने पर केंद्रित होगी। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन, जो अपनी मिलनसार शैली और प्रशासनिक अनुभव के लिए जाने जाते हैं, उच्च सदन में रचनात्मक बहस और आपसी सम्मान के महत्व पर जोर दे सकते हैं। इस बातचीत को उनके अध्यक्ष पद की दिशा तय करने के लिए एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब संसद में लगातार व्यवधान और तीखी बहस देखने को मिली है। आनंद विहार से गिरफ्तार अपने कार्यकाल के शुरुआती दौर में ही सत्ताधारी और विपक्षी दोनों नेताओं से बातचीत करके, वह राज्यसभा के कामकाज के लिए एक सहयोगात्मक ढांचा स्थापित करने के इच्छुक प्रतीत होते हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है ।

वायनाड में प्रियंका गांधी ने पेयजल परियोजना का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव और वायनाड से लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्र वायनाड में चल रहे काम लोगों की दैनिक जरूरतों को पूरा करना है। साथ ही यह भी यह सुनिश्चित करना है कि कल्याणकारी परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। झूठ बोलने में माहिर केजरीवाल प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर एक पोस्ट में कहा, मेरे भाई राहुल गांधी द्वारा स्वीकृत एक परियोजना का उद्घाटन करने और इन सभी प्यारी महिलाओं के लिए पानी उपलब्ध कराने में सक्षम होने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है। इस परियोजना का उद्देश्य मायलुकुन्नू के निवासियों को पेयजल उपलब्ध कराना है, जो स्थानीय समुदाय की लंबे समय

से लंबित मांग है। प्रियंका गांधी वाड्रा पिछले दिनों अपने निर्वाचन क्षेत्र के दौरे पर थीं। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों से बातचीत की थी और संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ योजना की प्रगति की समीक्षा भी की थी। राजिंदर गुप्ता को मैदान में उतारा उन्होंने बताया कि जल आपूर्ति के बुनियादी ढांचे की लंबे समय तक की स्थिरता सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई थी। प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ष्मैंने विभाग के अधिकारियों के साथ इन परियोजनाओं के दीर्घकालिक रखरखाव के मुद्दों पर भी चर्चा की और हमने दिशा बैठक में भी इस पर चर्चा की।

तेजस्वी यादव का सनसनीखेज आरोप, भाजपा के कहने पर नीतीश कुमार के खाने में मिलावट हो रही

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कथित 'असामान्य' व्यवहार पर तेजस्वी यादव ने उनके मानसिक स्वास्थ्य और सरकार चलाने की योग्यता पर गंभीर संदेह व्यक्त किए हैं। राजद नेता ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ करीबी सहयोगी भाजपा के इशारे पर नीतीश के खाने में मिलावट कर रहे हैं, जिससे बिहार की सत्ता में बड़े बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। राजद नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक वर्चुअल समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कथित अनियमित व्यवहार को लेकर उन पर सीधा हमला किया है। यादव ने इस घटना को आधार बनाते हुए

मुख्यमंत्री के मानसिक स्वास्थ्य और सरकार चलाने की क्षमता पर गंभीर संदेह व्यक्त किए हैं। राजद नेता ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ करीबी सहयोगी भाजपा के इशारे पर नीतीश के खाने में मिलावट कर रहे हैं। पूर्व उप–मुख्यमंत्री और वर्तमान में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने अपने एक्स हैंडल पर नई दिल्ली में आयोजित उस समारोह का वीडियो साझा किया, जिसमें मुख्यमंत्री अपने आवास से वर्चुअली शामिल हुए थे। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में, यादव ने कहा, श्एक प्रदेश के मुख्यमंत्री को इस दयनीय स्थिति में देख आपको कैसा लग रहा है? क्या अजीब हरकते करते मानवीय मुख्यमंत्री जी आपको मानसिक रूप से स्वस्थ दिखाई दे रहे है? तेजस्वी ने एक बड़ा आरोप लगाते हुए पूछा, क्या मुख्यमंत्री की इस मानसिक स्थिति के लिए उनके करीबी सहयोगियों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, जो गठबंधन सहयोगी भाजपा के कहने पर उनके खाने में मिलावट कर रहे होंगे? एक प्रदेश के मुख्यमंत्री को इस दयनीय स्थिति में देख आपको कैसा लग रहा है? क्या अजीब हरकते करते मा० मुख्यमंत्री जी आपको मानसिक रूप से स्वस्थ दिखाई दे रहे है?

बारिश की मार झेल रहे किसानों से जबरन वसूली, पवार ने सीएम कोष पर उठाए सवाल

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में गन्ना किसानों के फसल नुकसान के बीच शरद पवार ने मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए उनसे कथित श्जबरन वसूलीश पर कड़े सवाल उठाए हैं। उन्होंने सरकार से संकटग्रस्त किसानों की मदद करने के बजाय उनसे धन ऐंठने का आरोप लगाते हुए इस निर्णय को तत्काल रद्द करने की मांग की। पवार ने फसल क्षति के विस्तृत आकलन और प्रभावी किसान सहायता पैकेज की आवश्यकता पर जोर दिया। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र में हाल ही में हुई अत्यधिक वर्षा के कारण किसानों और फसलों को हुए भारी नुकसान पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने विशेष रूप से गन्ने की फसलों को हुए व्यापक नुकसान का मुद्दा उठाया और इस स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार के फैसलों पर कड़ी आलोचना की। पवार ने वसंतदादा शुगर इंस्टीट्यूट के

आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि मराठवाड़ा और पश्चिमी महाराष्ट्र के कई इलाकों में गन्ने की फसलों को गंभीर नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा, इस नुकसान का विस्तृत आकलन आवश्यक है। इस क्षति के मूल्यांकन और आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए कल (12 तारीख को) एक गवर्निंग काउंसिल की बैठक बुलाई गई है, जिसमें राज्य की सभी चीनी मिलें शामिल होंगी। पवार ने राज्य सरकार से अपेक्षा व्यक्त करते हुए कहा कि, राज्य सरकार से किसानों को अधिकतम सहायता प्रदान करने की अपेक्षा है। किसानों को सहायता देने की बात करते हुए, शरद पवार ने एक अन्य सरकारी निर्णय पर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार नुकसान झेलने वाले किसानों की मदद करने के बजाय, मुख्यमंत्री राहत कोष के लिए गन्ना उत्पादकों से जबरन धन वसूलने का निर्णय ले रही है। पवार ने इस निर्णय को पूरी तरह से गलत बताया और मुख्यमंत्री से इस पर पुनर्विचार करने की अपील की।

संपादकीय

'स्वदेशी' महज एक नार

हम सात दशकों से 'स्वदेशी' के नारे सुन रहे हैं। आजादी से पहले भी यह आरएसएस का बुनियादी मुद्दा था। 1951 में 'जनसंघ' का गठन हुआ, तो संघ के इस मुद्दे को राजनीतिक तौर पर ग्रहण किया गया। 'जनसंघ' का यह चुनावी मुद्दा भी होता था। जब 1980 में भाजपा का गठन हुआ, तो उसने भी 'स्वदेशी' का खूब प्रचार किया। दरअसल हम 'स्वदेशी' के विरोधी नहीं हैं, क्योंकि यह देश की आत्मनिर्भरता का प्राथमिक मुद्दा है। अब आरएसएस के शताब्दी समारोह और 'दशहरा संबोधन' में क्रमशः प्रधानमंत्री मोदी और सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक बार फिर 'स्वदेशी' का गुणगान किया है। स्वदेशी और खादी को देश की आजादी से जोड़ा है, लेकिन सवाल है कि क्या 'स्वदेशी' से ही 146 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का गुजारा संभव है? क्या देश की अर्थव्यवस्था का विस्तार संभव है? हमारा मानना है कि वैश्विक उदारीकरण के दौर में 'स्वदेशी' के आधार पर ही अंतरराष्ट्रीय व्यापार, विदेशी निवेश, निर्यात और अंततरू आत्मनिर्भरता संभव नहीं हैं। खादी का उत्पादन 3783 करोड़ रुपए का है और व्यापार 7146 करोड़ रुपए का है। वैश्विक व्यापार में भारत विश्व में 10वें स्थान पर है। हम 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था हैं। महज इतनी व्यापारिक पूंजी से देश कैसे चल सकता है? भारत का कुल निर्यात 37 लाख करोड़ रुपए और आयात 61 लाख करोड़ रुपए का है। लिहाजा हमारा व्यापार घाटा करीब 9000 करोड़ रुपए का है। यदि 'स्वदेशी' को 100 फीसदी लागू करना है, तो सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों की चिंता स्पष्ट करें, जो 'स्वदेशी' की रीढ़ हो सकते हैं। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान तालाबंदी से 75082 लघु और कुटीर कंपनियां बंद हो गईं। उससे पहले वे नोटबंदी से व्यापक तौर पर प्रभावित हुईं। अनुमान है कि ऐसे कुटीर उद्योगों की करीब 6 लाख कंपनियां, फैक्टरियां बंद हो चुकी हैं। बेशक सरकार ने आर्थिक पैकेज और आसान बैंकिंग कर्ज घोषित किए, लेकिन एमएसएमई के अस्तित्व को बचाया नहीं जा सका। सरकार औपचारिक बयान देकर कुटीर उद्योगों की अद्यतन स्थिति स्पष्ट कर सकती है। मोदी सरकार ने देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मैन्यूफैक्चरिंग के योगदान का लक्ष्य 23 फीसदी तय किया था। वह 16–17 फीसदी से घटकर करीब 13 फीसदी पर आ गया है। जब भारत मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में फिलहाल पिछड़ा है, तो 'स्वदेशी' कैसे संभव है? भारत में 'स्वदेशी' उत्पादन और अर्थव्यवस्था की सोच को 1991 से पहले ही लागू करनी चाहिए थी। जो भूमंडलीकरण और उदारीकरण 1991 में भारत में शुरू किया गया, उसे 1979 में ही चीन में लागू कर दिया गया था, नतीजतन उसे बहुत पहले आत्मनिर्भर होने में मदद मिली। आज उसकी औद्योगिक नीति ऐसी है कि वह किसी भी देश पर आश्रित नहीं है। अमरीका के साथ मात्र 13–14 फीसदी व्यापार की ही उसे जरूरत है। यदि वह भी नहीं हो, तो चीन की अर्थव्यवस्था डांवाडोल नहीं हो सकती। भारत की ऐसी कोई पुख्ता औद्योगिक नीति नहीं है। आज दक्षिण पूर्व एशिया के देश अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारत सरीखे शक्तिशाली देश को पछाड़ रहे हैं। जरा प्रधानमंत्री या वाणिज्य मंत्री इन देशों का एक बार दौरा कर आएं, तो पता चल जाएगा कि व्यापार कैसे करना है? अमरीका ने हम पर 50 फीसदी टैरिफ थोप रखा है। उससे उन कंपनियों पर विपरीत असर पडना तय है, जिन्होंने करोड़ों का माल बना रखा है। यदि टैरिफ बढने से अमरीकी बाजार में उनकी खपत नहीं हो पा रही है, तो क्या सरकार कोई बंदोबस्त कर सकती है ।

संघ कभी रुका नहीं, थका नहीं और न कोई स्वयंसेवक विचलित

मोहन

व्यक्ति, समाज और राष्ट्र निर्माण का ध्येय लेकर चले राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ ने आज अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं. संसार के सबसे विशाल और अनूठे संगठन की यह यात्रा त्याग, तपस्या, निःस्वार्थ सेवा और अनुशासन का प्रतीक है. राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की यह यात्राकई चुनौतियों और विषम परिस्थितियों में सेवा, समर्पण और संकल्प के ध्येय पथ पर आगे बढ़ी है. यह आद्य सरसंघचालक परमपूज्य डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी का संकल्प और प्रत्येक स्वयंसेवक का समर्पण है कि आज पूरे विश्व में संघ का ध्वज लहरा रहा है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना देश की असाधारण परिस्थितियों में हुई. भारत और भारत के स्वत्व के लिये जितना संकट अंग्रेजी राज से था उससे कहीं अधिक भारत विरोधी वे शक्तियां सक्रिय थीं जो भारत के पूर्ण रूपांतरण का कुचक्र रच रहीं थीं. इसे मालाबार, चटगांव, करांची और ढ़ाका की हिंसा से समझा जा सकता है. हिन्दुओं के सामूहिक नरसंहार, स्त्रियों के अपहरण पर भी देश में चुप्पी रही. एक ओर समाज, संस्कृति और राष्ट्र के दमन का कुचक्र चल रहा था दूसरी ओर भारतीय समाज अनेक आंतरिक विसंगतियों में उलझ गया था. जहां समाज विखंडन और अस्पृश्यता जैसा लोक व्यवहार प्रभावी था वहीं भारतीय समाज में आत्मगौरव कहीं खो रहा था. दासत्व की जंजीरों को ही अपनी नियति समझ लेने वाला विचार भी प्रभावी होने लगा था.। बालपन से ही राष्ट्र और सांस्कृतिक गौरव के प्रति समर्पित विशिष्ट प्रतिभा के धनी डॉक्टर जी के मन को यह सभी घटनाएं उद्वेलित कर रही थीं. डॉ. हेडगेवार जी स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी सेनानी थे. वे असहयोग आंदोलन में जेल यात्रा भी गये थे. भारत को दासत्व से मुक्ति संघर्ष में सहभागिता के साथ उन्होंने भारत में सांस्कृतिक और राष्ट्रभाव जागरण अभियान चलाने का भी संकल्प लिया. उन्होंने अनुभव किया कि जब तक प्रत्येक भारतीय के हृदय में स्वत्व का भाव जागृत नहीं होगा तब तक भारत पुनः अपने गौरव को प्राप्त नहीं कर सकता. डॉक्टर जी ने तत्कालीन सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति समर्पित विभूतियों से चर्चा की और संघ की स्थापना केलिये विजयादशमी की तिथि का चयन किया. वर्ष 1925 में विजयादशमी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अस्तित्व में आया. इस तिथि के निर्धारण में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना का ध्येय स्पष्ट है. विजयादशमी की तिथि और यह उत्सव स्वार्थरहित संघर्ष, सत्य की स्थापना, धर्म की रक्षा और मानवीय मूल्यों के पुनर्जागरण का संदेश देती है. यही संदेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

की पूरी शताब्दी यात्रा में निहित है. संघ की इस शताब्दी यात्रा की दो बड़ी विशेषताएं रहीं. एक तो संघ की ध्येय निष्ठा, संसार में केवल राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक मात्र ऐसा संगठन है जो अपने ध्येय पर अडिग है और निरंतर विस्तार पा रहा है. दूसरी विशेषता संघ पर होने वाले आक्रमणों की है. संघ पर वैचारिक, राजनैतिक हमलों के साथ स्वयंसेवकों पर प्राण घातक हमले हुए. लेकिन संघ की ध येय यात्रा पर कोई बाधा नहीं डाल पाया. स्वतंत्रता के बाद तीन बार तो संघ पर प्रतिबंध लगे. गांधी जी की हत्या में झूठा फंसाकर स्वयं सेवकों को प्रताड़ित किया गया.आपातकाल में प्रतिबंध और प्रताड़ना भी संघ के स्वयंसेवकों ने झेली. वर्ष 1992 में अयोध्या घटना के बाद भी संघ पर प्रतिबंध लगा. कश्मीर, केरल, पश्चिम बंगाल आदि प्रांतों में आज भी संघ प्रचारकों पर हमले हो रहे हैं. लेकिन संघ कभी रुका नहीं, थका नहीं और न कोई स्वयंसेवक विचलित हुआ. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की इस शताब्दी यात्रा में मध्यप्रदेश की गौरव नगरी उज्जैन का भी अपना योगदान है. मध्यप्रदेश में संघ कार्य का विस्तार दो दिशाओं से हुआ. एक नागपुर से महाकोशल की ओर तथा दूसरा नागपुर से मालवा की ओर. मालवा क्षेत्र की गौरव नगरी उज्जैन वह स्थान है जहां संघ कार्य 1930 से 1940 के दशक में ही अंकुरित हो गया था. भोपाल से लेकर नीमच तक और इंदौर से लेकर मध्यभारत तक के विस्तार में उज्जैन की भूमिका महत्वपूर्ण रही. इसे वर्ष 1936 में डॉक्टर जी के आह्वान पर हैदराबाद आंदोलन में उज्जैन के स्वयंसेवकों की सहभागिता और बाद में जूनागढ़, दादरा नगर हवेली और गोवा मुक्ति आंदोलन में उज्जैन नगर की सहभागिता इतिहास के पन्नों में है. दादरा नगर हवेली और गोवा मुक्ति आंदोलन में उज्जैन के स्वयंसेवकों का बलिदान भी हुआ. यह हम सभी के लिए गौरव की बात है कि संघ के स्वयं सेवकों ने स्वाधीनता आंदोलन, विभाजन की पीड़ा में शराणार्थियों की सेवा, आंतरिक अशांति और प्रत्येक युद्ध में राष्ट्र रक्षा के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य किया है. कई बार मैं सोचकर गर्व अनुभव करता हूं कि मैं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माध्यम से एक ऐसी संकल्प यात्रा का सहभागी बना जो भारत राष्ट्र के परम वैभव का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है. राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की इस शताब्दी यात्रा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें प्रचारकों के रूप में असंख्य विभूतियां आगे आईं, लेकिन किसी ने भी न अपने नाम की चिंता की न अस्तित्व और न ही जीवन की. वे सब राष्ट्र निर्माण कार्य की नींव में समा गये. संघ ने अपनी इस शताब्दी वर्ष यात्रा में समाज और राष्ट्रजीवन के आयाम को स्पर्श किया है. इस कार्य में शाखा से लेकर द्वार तक और फिर खेत पर जाकर भी संपर्क किया है. इसीलिए संघ कार्य आज इतना व्यापक हो पाया है. संघ कार्य केवल संगठनात्मक विस्तार नहीं है, यह साधना है– व्यक्तित्व निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्र निर्माण की. इसीलिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपनी शताब्दी समारोह को उत्सव के रूप में नहीं मना रहा.।

देश को चिढ़ा रही भारत की अस्मिता को लूटने वाले औरंगजेब की कब्र

औरंगजेब के बारे में संपूर्ण विश्व को पता है कि वो एक विदेशी आक्रांता था, जिसने भारत में आकर कोहराम मचाया था. उसने न सिर्फ आतंकवाद, अलगाववाद और मजहबी कट्टरता को बढ़ाया, बल्कि भारत की संपत्ति को हड़पने का काम किया. उसने भारत की अस्मिता को लूटा, हजारों मंदिरों को जमींदोज कर दिया. यहां की लाखों बहन–बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ किया और धर्मांतरण कर निरूसहाय हिन्दुओं को इस्लाम में कन्वर्ट किया. उसका व्यवहार काफी कष्टकारी था, जो उस वक्त के समाज ने साक्षात् देखा और झेला. हालांकि, करीब 300 वर्षों से अधिक का समय होने के बावजद भी औरंगजेब वाली मानसिकता देश के अंदर से समाप्त नहीं हो पा रही है. संभाजी नगर जिसे वीर शिवाजी के बेटे के नाम पर ऊपर रखा गया है, और जिस तरह से चालीस दिनों तक संभाजी महाराज को औरंगजेब ने यातनाएं देकर मारा, ऐसे दुर्दांत आतंकी की कब्र संभाजी नगर में होने पर देश में काफी आक्रोश है. इन्हीं सब चीजों को ध्यान में रखकर बजरंग दल के कार्यकर्ता संभाजी नगर में बनी औरंगजेब की कब्र को उखाड़ने का अभियान छेड़ेंगे. शिवाजी महाराज की पुण्य जयंती पर बजरंग दल इस काम को करने के लिए आगे बढ़ा और तय किया कि संपूर्ण महाराष्ट्र में सैकड़ों स्थानों पर धरने प्रदर्शन और ज्ञापन देकर ये मांग करेंगे कि ऐसे आतंकी की कब्र जो एक गुलामी का प्रतीक है, वो संपूर्ण भारत को चिढ़ा रही है. ऐसे प्रतीक चिह्नों का संपूर्ण नाश करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि गुलामी के प्रतीकों को भी हटाना है और गुलामी से भरी मानसिकता को भी हटाना है. सरकार को अवगत कराया जाएगा कि ये कब्र वहां से हटाई जाए क्योंकि भारत की पुण्य धरा पर उसके लिए कोई स्थान नहीं है. ऐसे क्रूर शासक को जो लोग अपना मजहबी रहनुमा या पूर्वज मानते हैं, ऐसे लोगों को भी इस बात का सबक मिलेगा कि औरंगजेब का वास्ता किसी मत प्रंथ समुदाय या किसी भारत के व्यक्ति के साथ हो ही नहीं सकता.

वो न भारतीय था और न ही भारत की मूल विचारधारा से कोई उसका मतलब था. फिर ऐसे व्यक्ति की कब्र वहां पर क्यों रहनी चाहिए? इसी संकल्प के साथ वीएचपी की तरफ से प्रदर्शन तय किया गया. पिछले 70–75 वर्ष यानी आजादी के पूर्व ऐसा लग रहा था कि गुलामी की मानसिकता लोगों में खत्म हो जाएगी. दुर्भाग्य से कुछ तुष्टीकरण की नीति

के कारण कुछ लोगों ने औरंगजेब को अपना रहनुमा समझ लिया. , औरंगजेब के हिमायती लोगों को भी ये समझ में आ रहा है कि अब ऐसे आक्रांत के साथ रहने से खुद उनका ही नुकसान होने वाला है. हां, कांग्रेस ने जिस तरह के बीज बोए थे और जिस तरह का महिमा मंडन उसने किया था, ऐसे में कांग्रेस की कोख से जन्मे जितने भी राजनेता और पार्टियां हैं, वही इस काम को कर रहे थे. अब समय आ गया है कि इस मानसिकता को खत्म करना है और वैसे नेताओं को भी सबक सिखाना है. आपको याद होगा कि जब एमएफ हुसैन ने हिन्दू देवी देवताओं और मां भारती की तस्वीर बनाई थी, उस समय उन्हें भारत से भागना पड़ा था. ऐसा बजरंग दल के संकल्प की वजह से ही मुमकिन हो पाया था. कई जगहों पर जब मुकदमें दर्ज हुए और शिकायतें हुईं, उसके बाद उन्हें भारत छोड़ना पड़ा. जब एमएफ हुसैन निर्वासन में थे, उस वक्त उनकी मौत होने के बाद ये कोशिश हुई थी कि उनकी कब्र भारत में बने. लेकिन बजरंग दल ने उस संकल्प के साथ कहा था कि किसी भी सूरत में मां भारती का अपमान करने वाले शख्स की कब्र देश में नहीं बनने देंगे. शव को नहीं लाने देंगे. ये संकल्प बजरंग दल ने पूरा करके दिखाया. जब अमरनाथ यात्रा को रोकने का काम 90 के दशक में किया गया था, उस वक्त भी बजरंग दल ने उस चुनौती को स्वीकार किया था. आतंकियों ने कहा था कि कोई आएगा तो अपने पैर पर नहीं जा पाएगा. उस समय करीब 50 हजार बरजंग कार्यकर्ता उस यात्रा पर निकले थे. उस वक्त से आज तक अनवरत ये यात्रा चली आ रही है. इसी तरह कर्नाटक और मेवात में यात्रा की शुरुआत की गई. देशभर में आतंकियों से लड़ने का काम बजरंग दल ने किया है. आज इस काम को भी बजरंग दल ने अपने हाथ में लिया है.

..... विविध .....

खांसी की दवा या जहर, सिरप से राजस्थान-एमपी में 11 बच्चों की मौत

आप अपने बच्चों को जो कफ सिरप दे रहे हैं, क्या वह जानलेवा हो सकता है. दरअसल, मध्य प्रदेश और राजस्थान में जेनेरिक खांसी की दवाई पीने के बाद 11 बच्चों की मौत हो गई. जिसके बाद ड्रग कंट्रोलर ने सिरप के यूज पर तत्काल रोक लगा दी है और आगे की जांच के लिए इसको लैब में भेजा गया है. इन मौतों के अलावा कई अन्य जगहों पर इस तरह के सिरप को पीने के बाद कुछ बच्चे बीमार हो गए थे. एक बार फिर कफ सिरप की क्वालिटी संदेह के घेरे में है. क्योंकि सरकारी अस्पतालों में बांटे गए इन सिरपों से बच्चों की जिंदगी खतरे में आ गई है. यह पहली बार नहीं है, जब इस तरह के मामले दर्ज किए गए हों. इससे पहले मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में भी बच्चों की मौत की खबरें निकलकर सामने आई थीं. फिलहाल राजस्थान सरकार के हेल्थ डिपार्टमेंट ने दवा के सेवन से मौतें होने की खबर के बाद मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है. उस नामक दवा के 20 से अधिक बैचों पर प्रतिबंध लगाया गया है और सैंपल को जांच के लिए भेजा गया है. चलिए आपको बताते हैं कि कैसे सिरप जानलेवा हो सकते हैं और इससे सावधानी के लिए क्या करना चाहिए. इस सिरप की खोज 1950 के दशक के दौरान हुई थी और इसको कोडीन की आदत डालने वाली दवाओं का एक सुरक्षित विकल्प बताया गया था. यह एक तरह से खांस कम करने वाली दवा है, जिसको ज्यादातर सूखी खांसी के दौरान डॉक्टर देते हैं. इसका मुख्य काम है ब्रेन में खांसी पैदा करने वाले संकेतों को रोकना, जिससे मरीजों को इससे राहत मिले. इसको केमिकल प्रोसेसिंग करके तैयार किया जाता है, जिसमें डेक्सट्रोमेथॉर्फन हाइड्रोब्रोमाइड एक्टिव कंपाउंड के तौर पर होता है. इसको बच्चे आसानी से पी सकें इसके लिए ज्यादातर सिरप के तौर पर दिया जाता है.

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स की तरफ से यह कहा गया है कि 4 साल से कम उम्र के बच्चों को डेक्सट्रोमेथॉर्फन या इसी तरह के ओवर–द–काउंटर सिरप नहीं देना चाहिए. थ्व। की रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया गया है कि इस तरह के सिरप से सांस लेने की दिक्कत, नींद में ज्यादा दबाव, चक्कर, दौरे और यहां तक कि मौत का कारण बन सकता है. कई रिपोर्ट में इस बात का जिक्र है कि इसको 2 साल के बच्चों को नहीं देना चाहिए और 2 साल से 6 साल के बच्चों को सीमित मात्रा में देना चाहिए. इसके अलावा 6 साल से बड़े लोगों को भी इसको डॉक्टरों की निगरानी में ही यूज करना चाहिए. डॉक्टर बताते हैं कि अगर आपको पहले से ही लिवर, किडनी की समस्या या अन्य गंभीर स्वास्थ्य समस्या है तो इसको यूज करने से पहले आपको डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए.

नींद की कमी दिमाग को कर सकती है बूढ़ा

जैसे–जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, हमारा दिमाग भी कमजोर होने लगता है. उम्र बढ़ने के साथ ही याददाश्त, फोकस और समस्या सुलझाने की क्षमता प्रभावित होती है. यह उम्र बढ़ने की प्राकृतिक प्रक्रिया मानी जाती है, लेकिन गलत लाइफस्टाइल के कारण हमारा दिमाग समय से पहले बूढ़ा हो सकता है.

एक्सपर्ट्स चेतावनी देते हैं कि नींद की कमी से लंबे समय में डिमेंशिया जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है. ऐसे में चलिए आज हम आपको बताते हैं कि समय से पहले हमारा दिमाग कैसे बुढ़ा हो रहा है.

नींद की कमी सबसे बड़ा कारण

हाल ही में एक रिसर्च में खुलासा हुआ है कि नींद की कमी दिमाग के समय से पहले बूढ़ा होने का प्रमुख कारण है. दरअसल, नींद दिमाग को सुरक्षा और मरम्मत का अवसर देती है. पर्याप्त और अच्छी मात्रा में नींद न लेने से शरीर में क्रोनिक सूजन बढ़ जाती है जो सीधे दिमाग की कोशिकाओं यानी न्यूरॉन्स को प्रभावित करती है. वहीं लंबे समय तक खराब नींद दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाती है और दिमाग जल्दी बूढ़ा हो जाता है.

रिसर्च में क्या आया सामने

दिमाग के बुढ़ापे को लेकर की गई रिसर्च में 27,000 से ज्यादा लोगों की जांच की गई और उनके ब्रेन स्कैन के माध्यम से दिमाग की उम्र का अनुमान लगाया गया. इस रिसर्च में ऐसे लोग जो न तो कम नींद लेते हैं और नहीं पूरी नींद लेते हैं, उनका दिमाग उनकी वास्तविक उम्र से लगभग 0.6 साल बड़ा पाया गया. वहीं ऐसे लोग जो कभी पूरी नींद नहीं लेते उनका दिमाग उनकी वास्तविक उम्र से 1 साल ज्यादा बूढ़ा पाया गया. इसके अलावा रिसचर्स ने नींद का स्कोर भी तैयार किया. इस स्च्कोर में हर अंक की गिरावट से दिमाग की उम्र लगभग आधा साल बढ़ जाती है.

एक्सपर्ट्स की सलाह

इस रिसर्च को लेकर एक्सपर्ट्स कहते हैं की अच्छी और नियमित नींद लेना दिमाग को जवान रखने का सबसे प्रभावी तरीका है. अगर नींद की समस्या को नजरअंदाज किया गया तो यह भविष्य में गंभीर मानसिक बीमारियों का खतरा बढ़ा सकती है. इसके अलावा एक्सपर्ट्स बताते हैं की अच्छी नींद लेने के लिए रोजाना एक ही समय पर सोने और जागने की आदत डालें. वहीं सोने से कम से कम 1 घंटे पहले मोबाइल, टीवी और लैपटॉप का इस्तेमाल कम कर दें और रात में कैफीन युक्त चीज खाने या पीने से बचें. इसके अलावा दिन भर की थकान और तनाव को कम करने के लिए हल्का व्यायाम योग या मेडिटेशन करें.

डाइट में कर लिए ये बदलाव तो हर दिन 40,000 मौतों से बच जाएगी दुनिया

दुनिया भर में बदलती लाइफस्टाइल और खानपान हेल्थ और एनवायरमेंट पर गंभीर प्रभाव डाल रहे हैं. ऐसे में हाल ही में एक नई और चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें दावा किया गया है कि अगर दुनिया भर में लोग प्लांट–रिच यानी पौधों पर आधारित प्लैनेटरी हेल्थ डाइट अपनाते हैं, तो हर दिन लगभग 40,000 लोग समय से पहले होने वाली मौतों से बच सकते हैं. यह डाइट मांसाहारी फूड का सीमित मात्रा में सेवन करने की बात कहती है और हेल्थ के साथ–साथ एनवायरमेंट की सुरक्षा की के बारे में भी बताती है. इस रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक खाद्य प्रणाली से निकलने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग एक तिहाई हिस्सा होता है. अगर लोग प्लैनेटरी हेल्थ डाइट अपनाते हैं तो 2050 तक खाद्य प्रणाली से होने वाली वाले जलवायु नुकसान को आधा किया जा सकता है. साथ ही यह फूड प्रोडक्शन न केवल वन्य जीव और जंगलों के विनाश का सबसे बड़ा कारण बन रहा है, बल्कि पानी को प्रदूषित बनाने की भी बड़ी वजह बन रहा है.

क्या है प्लैनेटरी हेल्थ डाइट?

प्लैनेटरी हेल्थ डाइट मुख्य रूप से सब्जियों, फलों, नट्स, दालों और साबुत अनाज पर आधारित है. हालांकि इस रिपोर्ट के अनुसार प्लैनेटरी हेल्थ डाइट में कुछ जानवरों से जुड़े हुए प्रोडक्ट जैसे मांस, अंडा या दूध शामिल किए जा सकते हैं. इस डाइट को लेकर एक्सपर्ट कहते हैं कि यह डाइट किसी भी प्रकार का कोई त्याग नहीं है, बल्कि इन चीजों को मिलाकर हेल्दी, टेस्टी और कई प्रकार से फूड तैयार किए जा सकते हैं. ये फूड सेहत के साथ ही एनवायरमेंट के लिए भी फायदेमंद होते हैं.

रिपोर्ट में दावा ज्यादा मांसाहारी फूड नुकसानदायक

इस रिपोर्ट में सामने आया है कि ज्यादा मात्रा में मांसाहारी फूड खाना हमारी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है. वहीं रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि अमेरिका और कनाडा में लोग प्लैनेटरी हेल्थ डाइट की सिफारिश से सात गुना ज्यादा रेड मीट खाते हैं. यूरोप और लैटिन अमेरिका में यह पांच गुना और चीन में चार गुना ज्यादा है. वहीं सब–सहारा अफ्रीका जैसे कुछ क्षेत्रों में लोगों ज्यादातर स्टार्च युक्त खाना खाते हैं. ऐसे में वहां थोड़ी मात्रा में चिकन, डेयरी प्रोडक्ट और अंडा खाना उनके लिए फायदेमंद हो सकता है. रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दुनिया के अमीर लोग फूड प्रोडक्शन से होने वाले एनवायरमेंटल नुकसान का सबसे बड़ा हिस्सा पैदा करते हैं. इस रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के सबसे अमीर 30 प्रतिशत लोग फूड सिस्टम से होने वाले एनवायरमेंटल नुकसान का 70 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा पैदा करते हैं. वहीं 2.8 बिलियन लोग हेल्दी फूड का खर्च नहीं उठा सकते और 1 बिलियन लोग कुपोषित है. इसके अलावा लगभग 1 बिलियन लोग मोटापे से परेशान है.

प्लैनेटरी हेल्थ डाइट अपनाने के फायदे

रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि अनहेल्दी खाना महंगा और हेल्दी खाना सस्ता होना चाहिए. वहीं अनहेल्दी खाने का एडवर्टाइजमेंट कंट्रोल किया जाना चाहिए और इसके ऊपर चेतावनी के लेबल भी लगाए जाने चाहिए. इसके साथ ही खेती की सब्सिडी को हेल्दी और टिकाऊ खाने की और मोड़ना चाहिए. यह लोगों को पौष्टिक भोजन तक आसानी से पहुंचाने में मदद करेगा. एक्सपर्ट्स का कहना है कि प्लैनेटरी हेल्थ डाइट अपनाने से हार्ट प्रॉब्लम, स्ट्रोक, डायबिटीज कैंसर और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों का खतरा कम होता है. ।

'संत निरंकारी मिशन की सहभागिता में वैश्विक युवा महोत्सव 2025 का सफल आयोजन'

'दिल्ली, 6 अक्टूबर, 2025। अहिंसा, शांति एवं सर्वधर्म समभावष जैसे महात्मा गांधी के शाश्वत आदर्शों को युवा पीढ़ी तक पहुँचाने तथा वैश्विक एकता की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से गांधी ग्लोबल फैमिली (जीजीएफ), नेशनल यूथ प्रोजेक्ट (एनवाईपी) एवं संत निरंकारी मिशन (एसएनएम) के संयुक्त तत्वावधान में 2 अक्टूबर से 7 अक्टूबर 2025 तक संत निरंकारी सत्संग भवन, असंध रोड, पानीपत में ष्वैश्विक युवा महोत्सव 2025ष का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया गया। इस सात दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महोत्सव में भारत सहित विभिन्न देशों से लगभग 400 युवा प्रतिनिधियों ने सक्रिय सहभागिता की, जिससे यह आयोजन विचारों, सांस्कृतिक आदान–प्रदान और मानवता के संदेश का एक सशक्त मंच बनकर उभरा। प्रतिदिन प्रातः 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक चलने वाले विविध कार्यक्रमों में योग सत्र, श्रमदान, संवाद, भाषाओं की कक्षाएँ तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ शामिल रहीं। देश–विदेश से पधारे युवा कलाकारों ने अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को साकार किया। सभी प्रतिभागियों के लिए आयोजकों द्वारा निःशुल्क आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की गई थी, जिससे सहभागिता सहज, सुगम एवं सशक्त बनी रही। 3 अक्टूबर को महोत्सव का उद्घाटन समारोह आयोजित हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में गांधी ग्लोबल फैमिली के अध्यक्ष, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री श्री गुलाम नबी आजाद जी उपस्थित रहे। उनके साथ मंच पर संत निरंकारी मिशन के सचिव श्री जोगिंदर सुखीजा एवं नेशनल यूथ प्रोजेक्ट के सचिव श्री रण सिंह परमार भी विशेष रूप से मौजूद थे। कार्यक्रम के विभिन्न दिवसों में स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों और समाजसेवियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की सार्थकता को और भी बढ़ाया। संत निरंकारी मिशन की ओर से संत निरंकारी मंडल के मेंबर इंचार्ज, प्रैस एवं पब्लिसिटी विभाग श्री राकेश मुटरेजा एवं कॉर्डिनेटर, प्रचार विभाग श्री हेमराज शर्मा की सक्रिय भागीदारी उल्लेखनीय रही। उन्होंने युवाओं को मिशन के मूलभूत सिद्धांतों कृ ष्ईश्वर की एकता, मानव की एकता, और ध र्म का सार दृ प्रेमष कृ से परिचित कराया और बताया कि किस प्रकार आध्यात्मिक समरसता, सेवा और शांति के माध्यम से विश्व बंधुत्व की स्थापना संभव है। ^Oneness Talk* संवाद श्रृंखला के अंतर्गत 3 एवं 4 अक्टूबर को आयोजित सत्रों की अध्यक्षता क्रमशः श्री राकेश मुटरेजा एवं श्री हेमराज शर्मा द्वारा की गई। इन सत्रों में वैश्विक नागरिकता, मानवीय संवेदनाएँ, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं गांधीवादी विचारधारा जैसे विषयों पर युवाओं के विचारों का सार्थक आदान–प्रदान हुआ। इन विचार विमर्शों ने युवाओं को आत्मचिंतन, सामाजिक सहभागिता और एक शांतिपूर्ण भविष्य की दिशा में प्रेरित किया। महोत्सव के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों ने यह संकल्प लिया कि वे अपने जीवन में गांधी जी के सिद्धांतों को आत्मसात कर न केवल व्यक्तिगत स्तर पर, बल्कि सामाजिक व वैश्विक स्तर पर भी शांति, सहयोग एवं सद्भावना के संवाहक बनेंगे। यह आयोजन केवल सांस्कृतिक या शैक्षणिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक जीवंत वैचारिक आंदोलन के रूप में उभरा, जिसने नई पीढ़ी को गांधी दर्शन के आलोक में मानवता के सार्वभौमिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य किया।

फंदे से लटका मिला युवक का शव, घरवालों ने किया हंगामा

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में युवक की मौत के मामले में रविवार को घरवालों और ग्रामीणों ने शव का अंतिम संस्कार करने से मना करके हंगामा शुरू कर दिया। जानकारी होने पर भाकियू पदाधिकारी भी गांव पहुंच गए। सूचना मिली तो पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घरवालों को समझाकर शांत किया। आरोपियों पर कार्रवाई का आश्वासन देकर अंतिम संस्कार करवाया। घटना महिगवां थाना क्षेत्र के भिखारीपुर की है। यहां शनिवार की सुबह करीब 8.30 बजे महेंद्र यादव (25) का शव खेत में लगे नीम के पेड़ की डाल से गमछे से लटका मिला। मामले में मृतक के बड़े भाई जितेंद्र यादव की शिकायत पर पुलिस ने बबलू, संजय, पप्पू निवासी भिखारीपुर व राहुल निवासी खजुरी, कन्हैया निवासी मुन्नुपुरवा पर हत्या का केस दर्ज किया है। गिरफ्तारी के आश्वासन पर अंतिम संस्कार को राजी हुआ परिवार रविवार की सुबह परिजनों ने आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक शव का अंतिम संस्कार करने से इन्कार कर दिया। सूचना पर पुलिस गांव पहुंची। साथ ही भाकियू पदाधिकारी, जिला पंचायत सदस्य अरुण रावत भी पहुंच गए। इस बीच पुलिस ने घरवालों को समझाकर शांत किया। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन और ग्रामीण शव का अंतिम संस्कार करने को तैयार हुए। पुलिस की मौजूदगी में दोपहर 1रू00 बजे चौक में अंतिम संस्कार किया गया। प्रभारी निरीक्षक रामकुमार गुप्ता ने बताया कि महेंद्र चार भाइयों में दूसरे नंबर का था। मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

एम्पैथ लैब्स ने लखनऊ में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन किया

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। एम्पैथ लैब ने हाल ही में लखनऊ में 21 स्वास्थ्य जांच शिविरों (हेल्थ चौकअप कैम्पों) का आयोजन किया, जिनमें स्थानीय समुदाय की ओर से उत्साहजनक उपस्थिति देखी गई। कुल 375 व्यक्तियों ने हेल्थ पैकेज बुक किए, जिनमें एएम–फिट फ्रीडम, एएम–फिट फ्रीडम प्लस और एएम–फिट केयर प्लस शामिल थे। सभी प्रतिभागियों को करवाए गए टेस्टों की रिपोर्ट हार्ड कॉपी और डिजिटल दोनों स्वरूपों में त्वरित और सटीकता के साथ प्राप्त हुईं। इस मौके पर डॉ. अनम फातिमा सिद्दीकी, एमडी पैथोलॉजी, एम्पैथ लैब्स ने कहा कि "प्रारंभिक पहचान और रोकथाम के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच बेहद जरूरी है। एम्पैथ लैब्स में, हमारा लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण हेल्थकेयर को सभी के लिए सुलभ बनाना है, चाहे वह कहीं भी हो। ये शिविर न केवल लोगों के डायग्नोस्टिक को उनके करीब लाते हैं, बल्कि उन्हें प्रिवेंटिव केयर के महत्व के बारे में भी शिक्षित करते हैं।" ये शिविर स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र पता लगाने और सक्रिय स्वास्थ्य प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के लिए एम्पैथ की चल रही पहल का एक हिस्सा हैं। शिविरों में ब्लड शुगर, कोलेस्ट्रॉल और महत्वपूर्ण अंगों के कार्य जैसे आवश्यक स्वास्थ्य मापदंडों के लिए टेस्ट प्रदान किए गए, जिससे उन्हें अपने समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने और सुधारने के लिए समय पर और सूचित कदम उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। एम्पैथ लैब्स पूरे भारत में नियमित रूप से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविरों का आयोजन करती है, जो सभी के लिए सटीक, किफायती और आसानी से उपलब्ध होने वाली सुलभ स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के उनके समर्पण को दर्शाता है। एडवांस्ड डायग्नेस्टिक टेक्नोलॉजी और मजबूत सामुदायिक पहुंच के संयोजन के साथ, एम्पैथ लैब्स यह सुनिश्चित करती है कि छोटे शहरों और कस्बों के लोग भी उच्च–गुणवत्ता वाली मेडिकल केयर सर्विसेज का लाभ उठा सकें। इन शिविरों के माध्यम से, एम्पैथ लैब्स गुणवत्तापूर्ण डायग्नोस्टिक्स उपलब्ध कराने और सभी को संबंधित और जरूरी नॉलेज प्रदान करने के अपने मिशन को जारी रखती है।

तकनीकी सहायकों की नवीन कार्यकारिणी गठित

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज तकनीकी सहायको की एक बैठक की गई जिसमें इपीएफ एवं अन्य समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गई।चर्चा उपरांत नवीन कार्यकारिणी में अनुराग मिश्र, अजय विक्रम सिंह, महेश तिवारी, अतुल कुमार सिंह एवं संतराम को कार्यकारणी का संरक्षक नियुक्त किया गया ।चंद्रेश कुमार पाल को जिला अध्यक्ष, रवि मौर्या को उपाध्यक्ष, दिगलेश कुमार को महामंत्री, अनुराग शुक्ला को संगठन मंत्री, मंजुल अग्निहोत्रि को कोषाध्यक्ष, गिरीश चंद्र शुक्ला को प्रवक्ता, एवं प्रशांत कुमार सिंह को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। बैठक में लालता प्रसाद , अविनाश चंद्र , राजीव अग्निहोत्री , सुभाष यादव , धीरेंद्र कुमार , धर्मेंद्र सिंह , माता प्रसाद, नरेश चंद्रा, अनिल कुमार , अरुण कुमार , अशोक कुमार पाल , हरिओम सिंह सिद्धेश्वर द्विवेदी , अमर सिंह , कमलेश कुमार, कुलदीप दीक्षित , रामदास , संजीव कुमार , सुधीर बाबू मिश्रा आदित्य द्विवेदी , शशिकांत वाजपेई , जितेंद्र भदोरिया व अन्य साथी गण मौजूद रहे।

GST दर घट जाने से आम जनमानस को दशहरा और दीपावली का उपहार मिला है - सीमा द्विवेदी

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । GST बचत उत्सवष के अन्तर्गत जौनपुर भाजपा सदर विष ाानसभा द्वारा विष्णु मोटल सुक्खीपुर में आयोजित ष्व्यापारी सम्मेलनष में व्यापार

जगत से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत एवं सार्थक चर्चा उन्हें जीएसटी सुधार के लाभ तथा भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में स्वदेशी को बढ़ावा देने के विषय पर चर्चा हुआ । व्यापारी सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी व विशिष्ट अतिथि खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार गिरीश चन्द्र यादव रहे अध्यक्षता प्रतिष्ठित व्यापारी मनोज अग्रहरि ने किया। सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि व मंचासिन अतिथियों द्वारा डाक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के प्रतिमा पर पुष्पांजली और दीप प्रज्वलित करके के किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने कहा कि ळैज् दर घट जाने से आम जनमानस को दशहरा और दीपावली का उपहार मिला है मोदी जी सरकार के द्वारा, आम जरूरत की चीजें अब सस्ती होगी, राज्यमंत्री स्वतन्त्र प्रभार गिरीश चन्द्र यादव जी ने कहा मोदी जी सरकार के पहले कुल 16 प्रकार के टैक्स लिए जाते, हमारी सरकार वन नेशन वन टैक्स का प्रावधान लागू किया, प्रतिष्ठित व्यवसाई नन्हे लाल वर्मा ने जीएसटी दर घटने से मध्यम वर्गीय परिवार को लाभ मिलेगा ऑटो वैंकिल्स के दाम काम कम हुएहैं, प्रतिष्ठित व्यवसाई अमित गुप्ता ने कहा जीएसटी दर कम होने मध्यम वर्गीय परिवारों को फायदा मिलेगा ।

कैंसर संस्थान में 129 करोड़ से खरीदे जाएंगे अत्याधुनिक उपकरण

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ स्थित कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान को आधुनिक उपकरणों से लैस किया जाएगा। इससे कैंसर मरीज को आधुनिक इलाज मिल सकेगा। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संस्थान में उपकरणों की खरीद के लिए 129.06 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि कैंसर संस्थान में प्रदेश भर से रोगी इलाज की खातिर आ रहे हैं। रोगियों को बेहतर इलाज मुहैया कराना सरकार का दायित्व है। इसी क्रम में संस्थान को आधुनिक उपकरणों से लैस करने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने बताया कि 129.06 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। संस्थानों को नई तकनीक से जोड़ा जा रहा ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में रोगियों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के लिए उपकरण क्रय किए जाएंगे। इसके लिए सरकार ने 11.46 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि प्रदेश के सभी सरकारी अस्पताल व संस्थानों में रोगियों को आधुनिक इलाज मुहैया कराने की दिशा में प्रयास किया जा रहा है। उपकरण व नई तकनीक से संस्थानों को जोड़ा जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

बाइक सवार ठेले से टकराए, बच्चे की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। सीतापुर हाईवे पर शनिवार शाम लगभग छह बजे नरेशन ब्लू होटल के सामने बाइक सवार ठेले से टकरा गया। हादसे में बाइक पर बैठे आठ वर्ष के बच्चे की मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि नरहरपुर सैरपुर निवासी अरविंद इटौंजा रिश्तेदारी में मुंडन कार्यक्रम में शामिल होकर लौट रहे थे। उनकी बाइक पर अरविंद की मां इंद्रानी, भांजा लकी गौतम (8) और भांजी काजल (11) थे। उनके साथ दूसरी बाइक पर बहनोई गणेश और बहन उर्मिला थीं। होटल के सामने उल्टी दिशा में आ रहे चाट के ठेले से अरविंद की बाइक टकरा गई। इसमें लकी के सीने में चोट लगी। सभी को राम सागर मिश्र हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां लकी को मृत घोषित कर दिया गया। अरविंद ने हेलमेट नहीं पहन रखा था। बख्शी का तालाब। चंद्रिका देवी रोड पर शनिवार शाम भवानीपुर के पास बाइक सवार युवक सड़क पार कर रहे एक सांड़ से टकरा गए। हादसे में बाइक चालक बबलू (40) निवासी मंझी, माल और उनका साथी सुशील छटौनी सीतापुर घायल हो गए। दोनों को एंबुलेंस से राम सागर मिश्र हॉस्पिटल भेजा गया, जहां डॉक्टर ने बबलू को मृत घोषित कर दिया, जबकि सुशील को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई।

शक के घेरे में आया बेटा पुलिस की पकड़ से दूर

लखनऊ, (संवाददाता)। पीजीआई के बाबूखेड़ा यादव इलाका निवासी रेनू यादव (45) की हत्या के मामले में लापता बेटे निखिल पर वारदात में शामिल होने का शक गहराता जा रहा है। वारदात के बाद से निखिल बाइक लेकर चुपचाप निकला और अब तक वापस नहीं लौटा। पुलिस भी उसे तलाशने में नाकाम रही है। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि छानबीन में रेनू के मंझले बेटे निखिल की भूमिका संदिग्ध मिली है। अब तक 500 के आसपास सीसीटीवी कैमरे चेक किए गए हैं। निखिल बैग लेकर घर से निकलकर बाइक से चारबाग तक जाता दिखा है। मोबाइल की मदद से उसकी सही लोकेशन ट्रेस की जा रही है। निखिल का मोबाइल हत्या के बाद से ही बंद है। रेनू की हत्या के बाद निखिल ने अपने दोस्त को फोन कर अपने अपहरण की सूचना दी थी। पुलिस का दावा है कि जांच में अपहरण की बात गलत मिली है। डीसीपी ने बताया कि रेनू के पति डेयरी संचालक रमेश ने लूट का आरोप लगाया है। जांच में लूटपाट का भी कोई सबूत नहीं मिला है। आशंका है कि निखिल ही घर से जेवर व रुपये लेकर भाग गया है। पुलिस को जांच में पता चला है कि निखिल ऑनलाइन गेम में लाखों रुपये हार गया था। उसने गेम खेलने के लिए कई एप से रुपये लोन पर ले रखे थे। उस पर काफी उधारी हो गई थी। उसे रुपयों की जरूरत थी। पुलिस टीम को निखिल की बाइक चारबाग में एक स्टैंड पर खड़ी मिली। निखिल के मोबाइल की कॉल डिटेल्स के आधार पर कई संदिग्धों को उठाया है। उनसे भी पूछताछ में पुलिस को कई अहम जानकारियां मिली हैं। शनिवार दोपहर पोस्टमार्टम के बाद देर शाम परिजनों ने रेनू के शव का अंतिम संस्कार कर दिया। पोस्टमार्टम में रेनू की मौत का कारण हेड इंजरी आया है। उनके सिर पर तीन से चार प्रहार भारी वस्तु के मिले हैं। प्रहार से सिर की हड्डी टूट गई।

सिविल अस्पताल में जांच के लिए डेढ़ से दो हफ्ते का इंतजार

लखनऊ, (संवाददाता)। ऐसे कई मामले हैं, जो बताते हैं कि सिविल अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जांच की व्यवस्था मरीजों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही। अस्पताल में अल्ट्रासाउंड जांच के लिए मरीजों को हफ्तों इंतजार करना पड़ रहा है। जांच की तारीखें एक से डेढ़ हफ्ते बाद की दी जा रही हैं, जिससे मरीजों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि जरूरतमंद मरीजों की जांच प्राथमिकता के आधार पर कराई जाती है। हालांकि, रोजाना करीब तीन हजार से अधिक मरीज ओपीडी में आते हैं, जिनमें से डेढ़ से दो सौ मरीजों को अल्ट्रासाउंड की सलाह दी जाती है। इनमें से सिर्फ गंभीर मरीजों की जांच उसी दिन हो पाती है, जबकि बाकी को एक से दो हफ्ते बाद की तारीख दी जा रही है। ऐसे में मरीजों को मजबूरी में निजी जांच केंद्रों में जाना पड़ रहा है। वहीं, निदेशक डॉ. कजली गुप्ता का कहना है कि अल्ट्रासाउंड की वेटिंग खत्म करा दी गई है। मामले को दिखवाया जाएगा कि किस वजह से वेटिंग डेढ़ हफ्ते से अधिक पहुंच गई है। पेट दर्द की शिकायत लेकर नीलम पांडेय (40) शनिवार को सिविल अस्पताल की ओपीडी में पहुंचीं। घंटों लाइन में लगकर डॉक्टर को दिखाया। डॉक्टर ने अल्ट्रासाउंड जांच लिखी, लेकिन जांच कक्ष में भेजे जाने के बाद उन्हें काउंटर से 14 अक्तूबर की तारीख दे दी गई। इस पर नीलम नाराज हो गईं। राम विलास को पेट में तेज दर्द की शिकायत थी। वह अस्पताल पहुंचे तो डॉक्टर ने अल्ट्रासांउड कराने के लिए कहा। अल्ट्रासाउंड कक्ष में जाने पर उन्हें डेढ़ हफ्ते बाद की तारीख दी गई। यह हाल तब था, जब उनके पेट में असहनीय दर्द उठ रहा था। मजबूरी में उन्हें निजी डायग्नोस्टिक सेंटर में जाना पड़ा।

मशीनें तीन, रेडियोलॉजिस्ट मात्र दो

अस्पताल में तीन अल्ट्रासाउंड मशीनें और मात्र दो रेडियोलॉजिस्ट हैं। इनमें से एक रेडियोलॉजिस्ट अक्सर कोर्ट या अन्य सरकारी कार्यों में व्यस्त रहते हैं। जांच का अधिकांश काम पुनर्नियुक्त महिला रेडियोलॉजिस्ट के भरोसे चल रहा है। पूर्व में तैनात एक अन्य रेडियोलॉजिस्ट को शासन ने सीएमओ नियुक्त कर दिया है, जिससे व्यवस्था और प्रभावित हुई है। अधिकारियों का कहना है कि प्रतिदिन 80–100 मरीजों की जांच की जा रही है, जिसमें अस्पताल में भर्ती मरीजों को प्राथमिकता दी जाती है, मगर सीमित संसाधनों के चलते ओपीडी के बाहरी मरीजों को अब भी इंतजार की परीक्षा से गुजरना पड़ रहा है।

लूट की सूचना से स्थानीय लोगों व पुलिस में मचा हड़कंप

अयोध्या।सोमवार को कोतवाली नगर क्षेत्र के वजीरगंज जप्ती मोहल्ला के स्थानीय लोगों तथा पुलिस महकमा में उस समय हड़कंप मच गया जब किसी ने 112 पर डायल कर लूट की सूचना दी।लूट की सूचना पाते ही 112 पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंचकर लूट की छानबीन में जुट गई।परिजनों ने बताया कि कोतवाली नगर क्षेत्र के वजीरगंज जप्ती निवासी तौसीफ के घर सोमवार की दोपहर तीन लुटेरों चाकू की नोक पर परिजनों को बंधक बनाकर लाखों रुपए के आभूषण तथा नगद लेकर चलते बने। जबकि प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे ने बताया कि सूचना मिलने पर मौके पर पाया गया ।

जीएसटी दरों में कमी से व्यापार को नई गति, रोजगार में वृद्धि होगी – ए.के. शर्मा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा जनपद जौनपुर के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित संवाद कार्यक्रम के दौरान व्यापारियों से मुलाकात की और जीएसटी कर सुधारों पर विस्तृत चर्चा की। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी दरों में की गई कमी से न केवल व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आएगी बल्कि बाजार में नई ऊर्जा का संचार होगा और रोजगार के अवसरों में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी।मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने एक जन–हितैषी कर प्रणाली विकसित करने का संकल्प लिया है, जिसका उद्देश्य व्यापारियों को राहत प्रदान करना और उपभोक्ताओं को सुलभ दरों पर वस्तुएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार व्यापारिक समुदाय की समस्याओं को प्राथमिकता पर लेकर उनके समाधान की दिशा में कार्य कर रही है। प्रभारी मंत्री ने उपस्थित व्यापारियों से स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील करते हुए कहा कि आत्मनिर्भर भारत का सपना तभी साकार होगा जब स्थानीय उद्योग और व्यापार सशक्त होंगे। उन्होंने कहा कि "स्थानीय व्यापार को मजबूत करने से न केवल जिले की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि देश की समग्र प्रगति में भी योगदान मिलेगा।"इस संवाद कार्यक्रम में उपस्थित व्यापारियों ने प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा के विचारों का स्वागत किया और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लिए जा रहे निर्णयों के प्रति आभार व्यक्त किया। व्यापारियों ने विश्वास जताया कि हाल ही में लागू किए गए जीएसटी सुधारों से कारोबार और अधिक सुगम होगा तथा आने वाले समय में व्यापार जगत नई दिशा और सशक्त पहचान के साथ आगे बढ़ेगा।

महापौर सुषमा खर्कवाल की नगर निगम समीक्षा बैठक– लखनऊ को स्वच्छ, सुरक्षित और उज्ज्वल बनाने के निर्देश

लखनऊ, (संवाददाता)। लालबाग स्थित स्मार्ट सिटी कार्यालय में शनिवार को माननीय महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में नगर निगम की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, अन्य वरिष्ठ अधिकारी और विभिन्न विभागों के प्रमुख मौजूद रहे। बैठक में जलकल, मार्ग प्रकाश, अभियंत्रण, स्वास्थ्य, उद्यान, प्रचार, शौचालय, संपत्ति और पर्यावरण विभागों की कार्यप्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक के दौरान महापौर ने भरवारा और कठौता झील की सफाई कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए नगर आयुक्त को निर्देश दिए कि जलकल विभाग के महाप्रबंधक को कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए और छह अक्टूबर तक कार्य प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वीकृत धनराशि से अधिक खर्च की जिम्मेदारी विभाग की होगी तथा दिसंबर 2025 तक दोनों झीलों की सफाई पूर्ण होनी चाहिए।महापौर ने दीपावली पर्व को देखते हुए शहर में स्ट्रीट लाइटें पूरी तरह कार्यरत रखने और मुख्य चौराहों पर सजावट सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परिवर्तन चौक से लोरेटो स्कूल तक विशेष लाइटिंग सजावट कराई जाए ताकि शहर उत्सवमय दिखाई दे और किसी भी क्षेत्र से प्रकाश बंद होने की शिकायत न आए।स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान महापौर ने सफाई व्यवस्था में लापरवाही और रामकी कंपनी के भुगतान में देरी पर असंतोष जताया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि आगे किसी भी सफाईकर्मी को बिना वर्दी ड्यूटी पर पाया गया तो संबंधित संस्था और अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।बरसात से क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत पर भी महापौर ने जोर दिया और अभियंत्रण विभाग से कहा कि पैचवर्क तुरंत पूर्ण किया जाए तथा गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने कहा कि यदि कार्य अगली बरसात तक टिकाऊ नहीं पाया गया ।

बंद सिम में छिपा कैब चालक की हत्या का राज

लखनऊ, (संवाददाता)। पारा के बुद्धेश्वर बादलखेड़ा निवासी कैब चालक योगेश कुमार पाल (29) की हत्या के मामले में चौंकाने वाले तथ्य पुलिस को मिले हैं। आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज पर खरीदे गए सिम कार्ड से योगेश की कार बुक की थी। बुकिंग करने वाले का मोबाइल नंबर भी बंद जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मुंह दबाकर हत्या की पुष्टि हुई है। सीतापुर व पारा पुलिस हत्यारोपियों की तलाश में जुटी है। मूल रूप से उन्नाव बांगरमऊ के आसत मोहिउद्दीनपुर निवासी योगेश 29 सितंबर की शाम छह बजे पत्नी वंदना से दोस्त की पत्नी को लेने सीतापुर जाने की बात कहकर घर से निकले थे। इसके बाद वह लापता हो गए थे। 30 सितंबर की रात उनका शव सीतापुर के सरियापुर इलाके में झाड़ियों मं मिला था। चेहरे पर टेप लिपटा हुआ था। सिर पर चोट के निशान थे। उनकी कार, मोबाइल व फोन गायब था। पारा पुलिस ने उनकी गुमशुदगी को हत्या व लूट की धारा में तरमीम कर दिया था। डीसीपी पश्चिम विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि छानबीन में पता चला है कि योगेश की कार बुक करने वाले ने 27 और 28 सितंबर को भी योगेश को कॉल की थी। पुलिस ने सिम कार्ड की डिटेल खंगाली तो नाम व पता गलत मिला। आरोपी का मोबाइल फोन बंद आने से उसकी सही लोकेशन ट्रेस नहीं हो सकी है। सीसीटीवी फुटेज में योगेश की कार में सिर्फ एक ही युवक नजर आया है। उसकी पहचान का प्रयास किया जा रहा है। वहीं पुलिस ने योगेश के मोबाइल फोन की भी डिटेल हासिल कर ली है। उनके मोबाइल पर आने वाली कॉल के बारे में जांच की जा रही है।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों की 6 पुस्तकों एवंगतिमान पत्रिका का हुआ विमोचन

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशितपुस्तक योग माहात्म्य तथा विश्वविद्यालय की वार्षिक पत्रिका गतिमान सहित शिक्षकोंऔर शोध छात्रों की कुल छह पुस्तकों का विमोचन दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति एवंराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया। योग माहात्म्य पुस्तक का संपादन प्रो.मनोज मिश्र और डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर ने किया है। सम्पादन मण्डल में डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अन्नू त्यागी,डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. शशिकांत यादव रहे।

इसी क्रम में डॉ. आलोक गुप्ता की पुस्तक एसेंशियल ऑफ इंटेलेक्चुअलप्रॉपर्टी राईट इन इंडिया, डॉ. सोनम झा, डॉ. नूपुर गोयल और डॉ. विकास चौरसिया की पुस्तक न्यू एरा ऑफ कम्युनिकेशनटेक्नोलॉजी एंड बेसिक्स, डॉ. आलोक कुमार दास की पुस्तकटेक्स्ट बुक ऑफ मेडिकल केमिस्ट्रीद्1 एंड मेडिसिनल प्रॉपर्टीतथा शोध छात्र रहे डॉ. शिवशंकर की पुस्तक तुलसी काव्य में लोकमंगल एवं समन्वयभावना का भी विमोचन किया गया ।जौनपुर जनपद के जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र कीपुस्तक कर्म कुम्भ का भी विमोचन हुआ।

445 विद्यार्थियों को पीएच.डी. और दो कोमिली डी. लिट. की उपाधि

। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 29वें दीक्षांत समारोह में इस बार कुल 445 शोधार्थियोंको पीएच.डी. एवं डी.लिट. की उपाधि प्रदान की जाएगी। इनमें 292 पुरुष और 155 महिलाएं शामिल हैं। शोध उपाधियों केसंकायवार वितरण पर नजर डालें तो कला संकाय सबसे आगे है, जहाँ328 शोधार्थियों को उपाधि दी गई । इसके बाद शिक्षा संकाय के 46, विज्ञान संकाय के 28 और कृषि संकाय के 11शोधार्थियों को यह सम्मान मिला । इसी तरह वाणिज्य संकाय से 8,प्रबंध अध्ययन संकाय (पीएच.डी. एवं डी.लिट.) से 10, औषध संकाय से 4, विधि से पांच और इंजीनियरिंग संकायसे 6 तथा अनुप्रयुक्त समाज विज्ञान एवं मानविकी संकाय से 1शोधार्थी उपाधि मिलेगी। डी.लिट. (व्यावसायिक अर्थशास्त्र) की उपाधिएक पुरुष और एक महिला शोधार्थी को मिली ।

दीक्षांत समारोह में 79 मेधावियों को 80स्वर्ण पदक

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में इस बार कुल 79 मेधावियोंको 80 स्वर्ण पदक प्रदान किया गया। इनमें स्नातक औरपरास्नातक दोनों स्तरों के प्रतिभाशाली विद्यार्थी शामिल हैं। इसमें स्नातक स्तरपर 24 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक मिला। इसमें 15 छात्राएं और 9 छात्र शामिल हैं। वहीं परास्नातक स्तरपर 55 विद्यार्थियों को 56 स्वर्ण पदकसे नवाजा गया, जिसमें 32 छात्राएंऔर 23 छात्र हैं। दीक्षांत समारोह में एमए जनसंचार मेंसर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर रक्षित प्रताप सिंह को दो मेडल मिला। विश्वविद्यालयकी तरफ से एक स्वर्ण पदक एवं अतुल माहेश्वरी स्वर्ण पदक कुलाधिपति के हाथों मिला ।कुल मिलाकर इस बार के दीक्षांत समारोह में 47 छात्राएं और 32 छात्र स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

दीक्षांत समारोह में 5 शिक्षकों को मिला प्रशस्ति पत्र

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह मेंउत्कृष्ट कार्य करने वाले पाँच शिक्षकों को सम्मानित किया गया। सम्मानित शिक्षकोंमें इंजीनियरिंग एवं तकनीकी संकाय से डॉ. विक्रांत भटेजा, प्रबंधअध्ययन संकाय से प्रो. मानस पांडेय, विज्ञान संकाय से डॉ.सुजीत कुमार, सामाजिक विज्ञान संकाय से डॉ. जानवी श्रीवास्तव तथा विधि संकाय से डॉ. वनिता सिंह शामिल हैं। इन सभी को कुलाधिपति जी ने प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

एयरटेल बिजनेस को भारतीय रेलवे सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (आईआरएसओसी) की बहुवर्षीय कॉन्ट्रैक्ट मिला

लखनऊ। एयरटेल एक ग्रीनफील्ड, मल्टी–लेयर्ड, साइबर सिक्योरिटी वर्ष भर चौबीसों घंटे (24X7X365) प्रोटेक्शन इकोसिस्टम को डिजाइन, बिल्ड, इम्प्लीमेंट और ऑपरेट करेगा। यह एक मजबूत डिफेंस ढाल के रूप में काम करेगा, जिससे भारतीय रेलवे का आईटी बैकबोन होगा सुरक्षित, साथ ही अनइंटरप्टेड, सिक्योर और सीमलेस डिजिटल ऑपरेशन भी होगा सुनिश्चित इस मजबूत डेटा सुरक्षा से 1 अरब से ज्यादा भारतीयों को मिलेगा फायदा – टिकट बुकिंग, पेमेंट, ट्रेन ट्रैकिंग और अन्य सेवाएँ अब होंगी और भी सुरक्षित व आसान एयरटेल बिजनेस ने भारतीय रेलवे सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (आईआरएसओसी) से एक बहुवर्षीय कॉन्ट्रैक्ट हासिल किया है जिसके तहत एयरटेल बिजनेस भारत के रेलवे नेटवर्क के डिजिटल बैकबोन को सुरक्षित रखने के लिए कॉम्प्रिहेंसिव, इंडस्ट्री–लीडिंग सिक्योरिटी सर्विसेज प्रदान करेगा। देश की रेलवे सेवाएँ एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्ति हैं, जिनके अंतर्गत रोजाना 13,000 से अधिक ट्रेनों का संचालन होता है, यह रोजाना 2 करोड़ से अधिक यात्रियों को अपनी सेवाएं उपलब्ध कराती है, लाखों डिजिटल लेन–देन करती है, और हर साल 1.5 अरब टन से अधिक का माल ढोती है। आज जब साइबर खतरे हर तरफ बढ़ रहे हैं, ग्राहकों की पहचान, भुगतान जानकारी, टिकटिंग, ट्रेन ट्रैकिंग, माल ढुलाई और सिग्नलिंग जैसे संवेदनशील डेटाबेस समेत इस विशाल और अहम डेटा प्रवाह की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। एयरटेल बिजनेस एडवांस्ड और सेंट्रलाइज्ड सुरक्षा नियंत्रणों के साथ रेलवे के बड़े डेटाबेस की सुरक्षा के लिए मल्टी–लेयर प्रोटेक्शन तैयार करेगा। यह एक मजबूत और नियमों के अनुसार सुरक्षित बैकएंड सुनिश्चित करते हुए देश की रेलवे सेवाओं के संपूर्ण डिजिटल ऑपरेशंस को भी सुरक्षित रखेगा, जिसमें 26 लोकेशंस पर तैनात 1,60,000 कर्मचारी शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस जागरूकता कार्यक्रम

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। शिशु अस्थि रोग विभाग द्वारा विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस के अवसर पर 6 अक्टूबर 2025 को एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित व्यक्तियों के प्रति समझ, समावेशन और सहयोग को बढ़ावा देना था। यह कार्यक्रम प्रो. विकास वर्मा, विभागाध्यक्ष, शिशु अस्थि रोग विभाग के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सैयद फैसल अफाक, प्रभारी, सेरेब्रल पाल्सी क्लिनिक द्वारा किया गया, तथा डॉ. सुरेश चंद, सदस्य, शिशु अस्थि रोग संकाय की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में चिकित्सकों, थेरेपिस्टों, देखभाल करने वालों और सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों के परिवारों ने भाग लिया। विशेषज्ञों ने प्रारंभिक निदान, आधुनिक अस्थि रोग उपचार एवं पुनर्वास देखभाल, तथा बहुविषयी दृष्टिकोण की आवश्यकता पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में अभिभावकों और देखभाल करने वालों को घरेलू चिकित्सा एवं सहयोगात्मक प्रबंधन की जानकारी देने के लिए प्रदर्शन और संवाद सत्र भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम की एक प्रमुख घोषणा थी कृ सेरेब्रल पाल्सी रोगियों के लिए व्यावसायिक एवं पुनर्वास इकाई का शुभारंभ, जो इस माह के अंत तक प्रारंभ की जाएगी। यह नई इकाई फिजियोथेरेपी, ऑक्युपेशनल थेरेपी और स्पीच थेरेपी जैसी समग्र सेवाएँ प्रदान करेगी, जिनका उद्देश्य बच्चों की कार्यात्मक स्वतंत्रता और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। इस अवसर पर प्रो. विकास वर्मा ने प्रारंभिक हस्तक्षेप, समन्वित पुनर्वास और सामुदायिक सहभागिता के महत्व पर बल दिया। उन्होंने विभाग की प्रतिबद्धता दोहराई कि बच्चों के स्वास्थ्य और पुनर्वास सेवाओं को शिक्षा, नवाचार और करुणामय सेवा के माध्यम से निरंतर सशक्त किया जाएगा।

'जिलाधिकारी ने जनसुनवाई में सुनी 132 शिकायतें'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने सोमवार को आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई में आज कुल 132 शिकायते प्राप्त हुई, जिसके त्वरित निस्तारण के निर्देश सम्बन्धित को दिए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। जन सुनवाई के दौरान आज 02 बच्चों को बाल सेवा योजना से जोड़ा गया, एक बच्चें को स्पान्शरशिप योजना से जोड़ा गया, एक का आयुष्मान बनाया गया तथा एक का राशन कार्ड बनाया गया। उन्होंने कहा कि उत्तराधिकार का कोई भी प्रकरण लंबित न रखा जाये। कृषक दुर्घटना बीमा योजना के किसी आवेदन को लंबित न रखा जाये। इस अवसर पर अतिरिक्त मजिस्ट्रेट पूनम भाष्कर व सभी सम्बन्धित विभाग के अधिकारीध्कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुरु-शिष्य संवाद से ही शिक्षा सार्थकःराज्यपाल आनंदीबेन पटेल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय का 29 वें दीक्षांत समारोह सोमवार कोमहंत अवेद्यनाथ संगोष्ठी भवन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर माननीय कुलाधिपति एवं श्रीराज्यपाल उत्तर प्रदेश श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले स्नातकएवं स्नातकोत्तर के79 मेधावियों को 80 स्वर्णपदक प्रदान किया। साथ ही 445 शोधार्थियों को पी.एचडी.और दो को डीलिट की उपाधि दीगई । इस वर्ष विभिन्न पाठ्यक्रमों में स्नातक औरपरास्नातक के 80141 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई ।कुलाधिपति जी ने दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि सुनीलदत्त को डी.एससी. की मानद उपाधि दी ।कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की माननीयराज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि शिक्षा तभी सार्थक होती है जबविद्यार्थी गुरु के पास बैठकर कक्षा में संवाद करें। इसी को ध्यान में रखते हुए 75 फीसदी उपस्थिति अनिवार्य की गई है और इसका कड़ाई से पालन विश्वविद्यालयोंको करना होगा। राज्यपाल ने शिक्षकों से आह्वान करते हुए कहा कि वे विद्यार्थियोंकी शिक्षा के साथ–साथ चरित्र निर्माण भी करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयोंमें रिसर्च गंभीरता के साथ होना चाहिए क्योंकि रिसर्च ही देश और समाज के लिएउपयोगी होता है। इसके लिए शिक्षक और विद्यार्थी दोनों में जज्बा होना जरूरी है।गुजरात में इसरो का उदाहरण देते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से जानजा रही है, जिसमें खास तौर से आकाशीय बिजली का खतरा ज्यादारहा। इस बार इससे 85 लोगों की जान चली गई। इस पर गंभीरता केसाथ शोधकिया जा रहा है कि कैसे मानव और जीव की सुरक्षा की जा सकती है। उन्होंने कहा कि हमारे पास पुरातन ज्ञान हैअसंख्य पांडुलिपियां हैं और आयुर्वेद मेंजिन औषधियों का जिक्र हैं, इस पर काम करने की जरुरतहै। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी पर शोध करने की पहल की है ताकि समाजतक इसका लाभ पहुंच सके। राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू करने कामकसद आपसी ज्ञान का आदान–प्रदान कर शोध और नवाचार को आगे बढ़ाना है। उन्होंने कहाकि 21वीं सदी का विद्यार्थी जब कहीं प्रवेश लेता है तो वहसंस्थान की नैक ग्रेडिंग, एनआईआरएफ रैंकिंग और प्लेसमेंट कोध्यान में रखकर प्रवेश लेता है, इसलिए हर विश्वविद्यालय कोअपनी गुणवत्ता पर ध्यान देना जरूरी है, तभी विद्यार्थी उनकेसंस्थान में आएंगे। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रिलायंस जियो इन्फोकॉमलिमिटेड के डिवाइसेज एंड सेल्स प्रेसीडेंट श्री सुनीलदत्त ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वह स्वयं को इस गौरवपूर्ण अवसरपर उपस्थित पाकर सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय की कुलपति एवंकुलाधिपति को मंच पर आमंत्रण के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दीक्षांत केवलअंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है। उन्होंने 'जियो की डिजिटल यात्रा' का उल्लेख करते हुए कहा कि कैसेविश्वास, तकनीक और समावेशिता ने भारत को वैश्विक नेतृत्व कीओर अग्रसर किया। उन्होंने कहा कि "जब तकनीक सबके लिए होती है, तो समाज बदलता है।" जियो की कहानी इस बात का प्रमाण है कि मेड इन भारत डिजिटल क्रांति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के डिजिटल इंडियाऔर आत्मनिर्भर भारत के सपनों का साकार रूप है। श्री दत्त ने भविष्य के लिए सात सिद्धांत साझा किएकृ बड़ा सोचो,छोटा शुरू करो, तेजी से बढ़ो, निरंतर सीखो, असफलता से डरना छोड़ो, उपयोगकर्ता मत बनो, निर्माता बनों और तकनीक के साथमानवीय बने रहो। असफलता से मत डरो, हर असफलता ने हमें सफलताके करीब पहुंचाया है। उनका मानना है कि पद से अधिक उद्देश्य महत्वपूर्ण है क्योंकिआपकी भूमिका नहीं आपका प्रभाव मायने रखता है। उन्होंने कहा कि अब भारत अनुसरण नहींकरता, बल्कि नेतृत्व करता है। उन्होंने विद्यार्थियों सेआह्वान किया कि वे साहस, रचनात्मकता और उद्देश्यपूर्ण जीवनसे समाज और देश का गौरव बढ़ाएँ। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि जौनपुर की धरती नेसदैव प्रतिभाशाली व्यक्तित्वों को जन्म दिया है। उन्होंने रोबोट के निर्माता दिनेशपटेल, डीएनए वैज्ञानिक डॉ. लालजी सिंह तथा पंडितरामभद्राचार्य जैसी महान विभूतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि ज्ञान और शिक्षा केक्षेत्र में जौनपुर का अपना विशिष्ट स्थान है। मंत्री श्री उपाध्याय डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों कोसंबोधित करते हुए कहा, ष्आज आपके चेहरे पर जो मुस्कान है,वह आपके माता–पिता के बलिदान और गुरुओं के संघर्ष के बिना संभव नहींथी। श्माता–पिता, गुरु देवश्भवः हमारी संस्कृति का मूल मंत्र है ।

संक्षिप्त खबरें

आरएसएस के 100 वर्ष पूरा होने पर भारतीय केसरिया वाहिनी ने निकाली पंच परिवर्तन यात्रा

(राजेश श्रीवास्तव)

आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ)। द्वारा 100 साल के पूरा होने पर भारतीय केसरिया वाहिनी के द्वारा पंच परिवर्तन यात्रा 3 अक्टूबर से यात्रा निकाली गई है,जो 12 अक्टूबर तक चलेगी। इस बात की जानकारी भारतीय केसरिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने दिया।उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों मे इसके साथ विदेशों में भी पंच परिवर्तन के उद्देश्य को लेकर संगोष्ठी आयोजित करेगी।इस एक

वर्ष में भारतीय केशरिया वाहिनी 101 हिन्दू सम्मेलन,संगोष्ठी, प्रभुत्व सभा आदि आयोजन करेगी।यह यात्रा दिल्ली से शुरु होकर कौशांबी मोहन नगर,राज नगर,डसना मसूरी,पिलखुवा,हापुड़,मेरठ,हापुड़ से मेरठ मार्ग,हापुड़ अड्डा इंदिरा चौक बच्चा पार्क, बेगमपुर,गंगानगर मवाना रोड, गणेशपुर, बिजनौर,नौगामा तहसील बरखेड़ा,अमरोहा, संभल, डुंगालपुर, मुरादाबाद, रामपुर,बदायूं बरेली, शाहजहांपुर, हरदोई से लखनऊ आकर 12 अक्टूबर को समाप्त होगी।

खेल में आगे बढ़ने वाले छात्र छात्राओं को शिक्षक , अभिभावक समाजसेवी प्रोत्साहित करें- अशोक रावत

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज 75वी जनपदीय विद्यालयीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का शुभारंभ श्री देवीदयाल इ कालेज शुभानखेडा हरदोई में मुख्य अतिथि सांसद अशोक रावत ने सरस्वती पूजन तथा दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा सांसद अशोक रावत ने कहा कि खेल में आगे बढ़ने वाले छात्र छात्राओं को शिक्षक , अभिभावक समाजसेवी प्रोत्साहित करें। खेलों से शरीर बलवान रहता है। मस्तिष्क का परिमार्जन होता है। विशिष्ट अतिथि एम एल सी इंजीनियर अवनीश कुमार सिंह ने कहा कि खेल के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। खेल हमें अनुशासन सिखाता है। मेंरी शुभकामनाएं हैं कि ये छात्र राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करें। सहसंयोजक प्रतियोगिता प्रधानाचार्य मेजर उदय प्रकाश कनोजिया ने अतिथियों का पुष्प गुच्छ तथा मोमेंटो भेंट कर स्वागत किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि ने रैली में मार्च पास्ट की सलामी ली। आज उद्घाटन प्रतियोगिता में 800मी दौड़ हुई। सीनियर बालक वर्ग में निखिल यादव आई आर इण्टर कालेज सन्डीला ने प्रथम, सेठ बाबू राम इण्टर कालेज पाली के श्याम ने द्वितीय तथा आकाश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालिका वर्ग में सोनाली देवी अम्बिका बक्स इण्टर कालेज पडरवाकिला ने प्रथम, कोटपाल सिंह इण्टर कालेज मझिगवां की अनुष्का ने द्वितीय तथा आशमाराना तृतीय स्थान ने प्राप्त किया।

जन आंदोलन से बनी समाजवादी पार्टी अयोध्या को बनाएगी विश्व की अद्वितीय नगरी

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।सोमवार को प्रेस क्लब सिविल लाइन अयोध्या में सांसद अवधेश प्रसाद ने प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में अपने क्षेत्र की विकास योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की और समाजवादी पार्टी के जनहित के किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए पत्रकारों से मिलिए कार्यक्रम में बताया कि समाजवादी पार्टी जाति विशेष की राजनीति नहीं करती है वह उसका जन्म ही जन आंदोलन से हुआ था इस अवसर पर उन्होंने स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव समाजवादी पार्टी के संस्थापक को याद करते हुए बताया कि समाजवादी पार्टी जनता की हमेशा आवाज बनी और युवाओं किसने और गरीबों के हित में अनगिनत कार्यों को अंजाम दिया पत्रकारों के प्रश्न के उत्तर में सांसद ने अपनी उपलब्धियां गिनाई जिसमें कई सड़क ऊपरगामी सेतू रिंग रोड आदि का निर्माण करने की जानकारी दी।इस अवसर पर प्रेस क्लब अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार श्रीवास्तव सचिव जयप्रकाश सिंह एन यू जे के राष्ट्रीय महासचिव त्रियुग नारायण तिवारी जनमोर्चा संपादक सुमन गुप्ता प्रेस क्लब पूर्व अध्यक्ष रामकुमार सिंह सूर्य नारायण सिंह नाथ बख्श सिंह आदि ने फूल माला पहनाकर सांसद का स्वागत किया।प्रेस से मिलिए कार्यक्रम मे पत्रकार विमलेश तिवारी, उग्रसेन मिश्रा, इन्दू भूषण पांडे, अरशद अफजल खान, ओम प्रकाश सिंह,राकेश श्रीवास्तव, हरिश्चंद्र सिंह, भीम यादव, कुंवर समीर साही, लालजी तिवारी,राजू दूबे, सोशल मीडिया के पत्रकार सुबोध श्रीवास्तव, रूपेश श्रीवास्तव, प्रदीप पाठक, डॉ दिनेश तिवारी अधिवक्ता अशोक पांडे पुनीत पांडे साहित्य भारी संख्या में पत्रकार एवं अधिवक्ता उपस्थित रहे।

मेदांता फाउंडेशन द्वारा मॉडर्न के कैंपस में निःशुल्क मेडिकल कैंप का हुआ आयोजन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। मेदांता फाउंडेशन की टीम द्वारा जाना बाजार में निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया।इस कैंप का संचालन कोऑर्डिनेटर महेंद्र एवं डॉक्टर स्वप्निल सिंह के नेतृत्व में किया गया।जिसमें कुल 10 सदस्यों की टीम ने सरहनीय योगदान दिया।कैंप मे कुल 85 से ज्यादा लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।टीम ने नॉर्मल चेकअप, आईपीडी, ईसीजी, एफटीपी तथा बोन मिनरल डेंसिटी की जांच कर लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श प्रदान किया। साथ ही हृदय की जांच भी की गई।कार्यक्रम के समापन अवसर पर मॉडर्न बेबी नर्सरी स्कूल समिति के संस्थापक रमेश चंद्र श्रीवास्तव, एनजीओ डायरेक्टर सत्यदेव श्रीवास्तव, शिक्षा निदेशक आशीष श्रीवास्तव, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर वर्षा श्रीवास्तव तथा अनिल वर्मा सहित कई लोग रहे। इस मौके पर मॉडर्न बेबी नर्सरी स्कूल समिति के संस्थापक ने कहा कि इस कैंप के लगने से उन लोगों को काफी को फायदा हो रहा है जो ग्रामीण अंचलों मे रह रहे हैं जो अपना जांच याद करने के लिए जिला मुख्यालय तक नहीं जा पा रहे उनकी जांच किसी कैंपस में आयोजित देश मे ख्याति प्राप्त मेदांता फाउंडेशन द्वारा आयोजित कैंप में हो जा रही है।जिससे यह यह कैंप क्षेत्रवासियों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक सराहनीय कदम सिद्ध हो रहा है।

अपोलोमेडिक्स हॉस्पिटल ने रोबोटिक सर्जरी से एंडोमेट्रियोसिस और फाइब्रॉइड से जूझ रही महिलाओं को दिया दर्द–मुक्त नया जीवन

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। अपोलोमेडिक्स सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ की डॉ. नेहा नेगी, ऑब्स्टेट्रिक्स, गायनेकोलॉजी एंड रिप्रोडक्टिव मेडिसिन, एडवांस्ड लैप्रोस्कोपिक एंड रोबोटिक सर्जन ने उन महिलाओं के लिए नई उम्मीद जगाई है, जो वर्षों से गंभीर एंडोमेट्रियोसिस, एडेनोमायोसिस और फाइब्रॉइड के कारण दर्द और निराशा में जी रही थीं। डॉ. नेगी ने हाल ही में रोबोटिक सर्जरी की सटीकता का उपयोग करते हुए दो अत्यंत जटिल मामलों का सफलतापूर्वक इलाज किया, जो इस बीमारी के कारण बेहद दर्दभरी स्थिति में निराशाजनक जीवन जी रही थीं। पहली मरीज लगभग 8द्10 वर्षों से एंडोमेट्रियोसिस और संबंधित बीमारियों से पीड़ित थीं। इस दौरान उनकी लैप्रोस्कोपिक सिस्टेक्टॉमी, ओपन फाइब्रॉइड सर्जरी, सी–सेक्शन तक हुआ और यहाँ तक कि गर्भाशय भी निकाला जा चुका था। गर्भाशय के हटने के बाद भी वे अपने डेली रूटीन के काम भी बिना दर्द के नहीं कर पा रही थीं, यहां तक की उन्हें फ्रेश होने या यूरिन पास होने पर असहनीय दर्द होता था। उनकी पेल्विस का हिस्सा एंडोमेट्रियोसिस की वजह से पूरी तरह जम चुका था। यानी आंतें, मूत्रनलिका और अंडाशय आपस में बुरी तरह चिपक गए थे। कई अस्पतालों ने केस लेने से मना कर दिया, क्योंकि ऐसे में पारंपरिक सर्जरी लगभग असंभव थी। पारंपरिक सर्जरी की स्थिति में आंतों को बाहर निकालने की नौबत आ सकती थी और सर्जरी के दौरान पेशाब की नली या ब्लैडर को चोट पहुंचने का भी खतरा था। इसलिए अस्पतालों ने सर्जरी करने से इनकार कर दिया था। लंबे समय तक हार्मोनल इंजेक्शन और दवाओं पर रहने से वह डिप्रेशन तक की स्थिति में पहुँच गईं। अपोलोमेडिक्स में डॉ. नेगी की टीम ने रोबोटिक सर्जरी के जरिये यह चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन किया। रोबोटिक प्रणाली की हाई मैग्नीफिकेशन कैपेसिटी और मिलीमीटर–स्तर की सटीकता ने डॉक्टरों को महत्वपूर्ण अंगों को सुरक्षित रखते हुए गहरे जमे हुए एंडोमेट्रियोसिस टिशूज और बार–बार बनने वाले सिस्ट हटाने में सफलता प्रदान की। सर्जरी के बाद मरीज न केवल पूरी तरह लक्षणमुक्त हैं बल्कि उनका सीए 125 स्तर भी सामान्य हो गया है। डॉ नेगी बताती हैं कि सीए 125 एक ब्लड टेस्ट है जो कई बार एंडोमेट्रियोसिस जैसी बीमारियों में बढ़ा हुआ दिखता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं होता कि कैंसर है। अक्सर मरीज अपनी उत्सुकता में रिपोर्ट देखकर जब गूगल सर्च करते हैं, तो वहां ज्यादा जानकारी कैंसर से जुड़ी ही मिलती है, जिससे उनका डर बढ़ जाता है। यह सही नहीं है, क्योंकि एंडोमेट्रियोसिस में भी यह स्तर बढ़ सकता है। सर्जरी के बाद इसका स्तर सामान्य हो गया। गूगल सर्च पर मिली जानकारी से डरने के बजाय उचित जानकारी के लिए विशेषज्ञ की सलाह लेना ही सही रास्ता है। दूसरा मामला एक युवा अविवाहित महिला का था जो एंडोमेट्रियोसिस, एडेनोमायोसिस और सात –आठ फाइब्रॉइड विकसित हो चुके थे।

सेवानिवृत महिला एसआई के सम्मान मे विदाई समारोह का हुआ आयोजन

अयोध्या।महिला थाना मे तैनात उप निरीक्षक संजना पिछले महीने सेवानिवृत हो गई थी।सोमवार को महिला थाना परिसर में उनके सम्मान में विदाई समारोह का कार्यक्रम रखा गया।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रुप मे आये आये सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह ने कहा कोई भी व्यक्ति कभी सेवानिवृत नहीं होता है।कहा कि कोई भी व्यक्ति अपने विभाग से सेवा निवृत होता है जबकि समाज से नहीं। क्योंकि कई ऐसे व्यक्ति हैं जो सेवा निवृत होने के बाद समाज के बीच रहकर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।